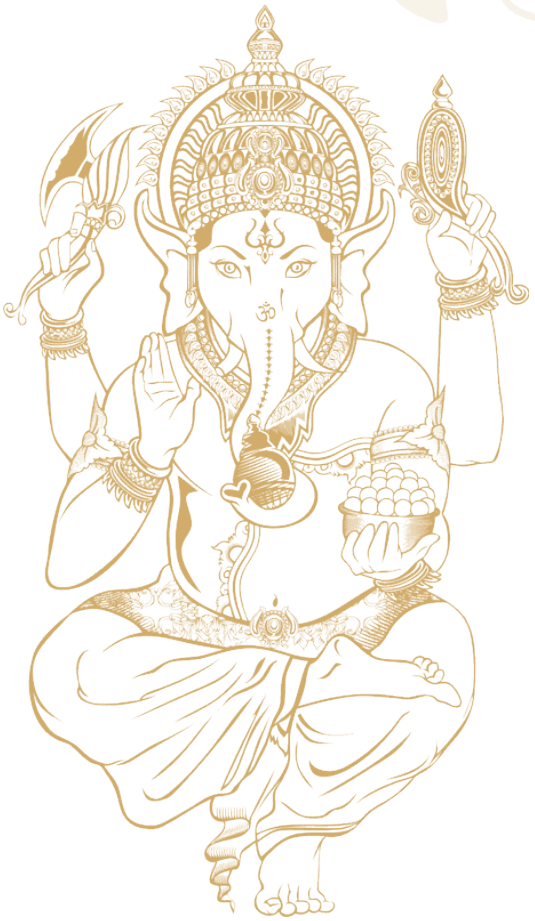

VED SINGH

24 Aug 2025

12:18 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120905105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/08/2025**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:18:00 घंटे**
इष्ट	45:58:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:56:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:38 घंटे
साम्पातिक काल	22:06:07 घंटे
सूर्योदय	05:54:36 घंटे
सूर्यास्त	18:52:16 घंटे
दिनमान	12:57:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:40:37 सिंह
लग्न के अंश	21:43:52 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:43:52	357:22:59	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	06:40:37	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	13:00:18	12:51:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कन्या	16:23:49	00:38:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	19:03:33	01:23:34	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	22:07:56	00:11:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	03:30:58	01:11:27	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:20:48	00:03:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:05:56	00:00:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:05:56	00:00:42	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:10:16	00:00:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:20:31	00:01:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:42:51	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	05:11:58	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

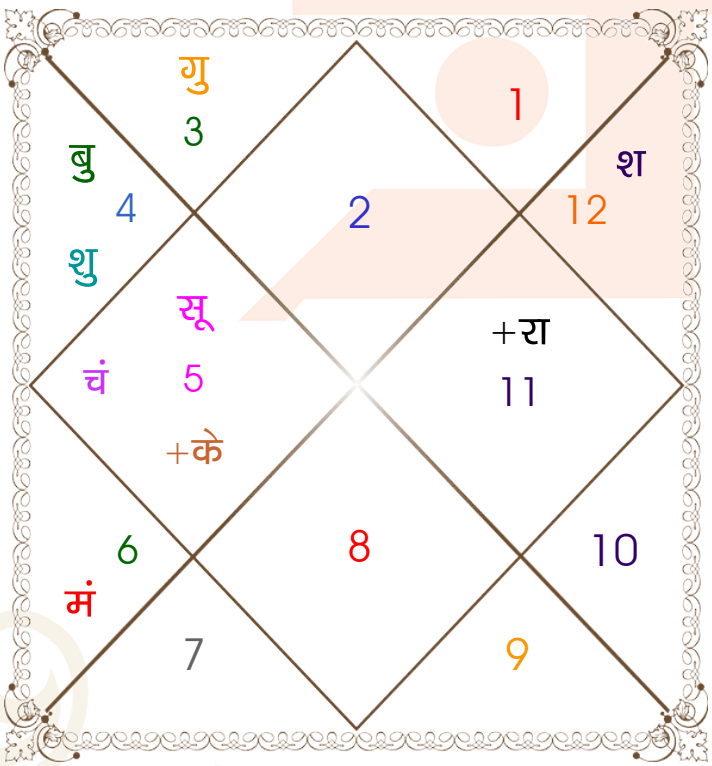

चन्द्र कुंडली

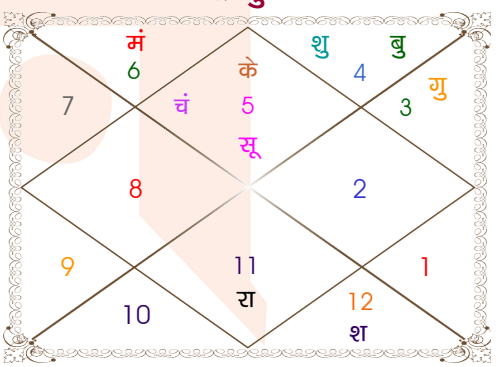

नवमांश कुंडली

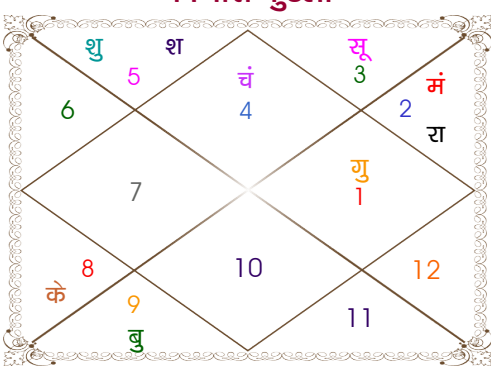

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/08/2025		25/10/2025		25/10/2045		26/10/2051		25/10/2061	
25/10/2025		25/10/2045		26/10/2051		25/10/2061		25/10/2068	
	00/00/0000	शुक्र	24/02/2029	सूर्य	12/02/2046	चंद्र	25/08/2052	मंगल	24/03/2062
	00/00/0000	सूर्य	24/02/2030	चंद्र	14/08/2046	मंगल	26/03/2053	राहु	11/04/2063
	00/00/0000	चंद्र	26/10/2031	मंगल	19/12/2046	राहु	25/09/2054	गुरु	17/03/2064
	00/00/0000	मंगल	25/12/2032	राहु	13/11/2047	गुरु	25/01/2056	शनि	26/04/2065
	00/00/0000	राहु	26/12/2035	गुरु	31/08/2048	शनि	26/08/2057	बुध	23/04/2066
	00/00/0000	गुरु	26/08/2038	शनि	13/08/2049	बुध	25/01/2059	केतु	19/09/2066
	00/00/0000	शनि	25/10/2041	बुध	20/06/2050	केतु	26/08/2059	शुक्र	19/11/2067
	24/08/2025	बुध	25/08/2044	केतु	26/10/2050	शुक्र	26/04/2061	सूर्य	26/03/2068
बुध	25/10/2025	केतु	25/10/2045	शुक्र	26/10/2051	सूर्य	25/10/2061	चंद्र	25/10/2068

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/10/2068		26/10/2086		27/10/2102		26/10/2121		27/10/2138	
26/10/2086		27/10/2102		26/10/2121		27/10/2138		25/08/2145	
राहु	08/07/2071	गुरु	13/12/2088	शनि	29/10/2105	बुध	24/03/2124	केतु	25/03/2139
गुरु	01/12/2073	शनि	26/06/2091	बुध	09/07/2108	केतु	21/03/2125	शुक्र	24/05/2140
शनि	07/10/2076	बुध	01/10/2093	केतु	17/08/2109	शुक्र	20/01/2128	सूर्य	29/09/2140
बुध	26/04/2079	केतु	07/09/2094	शुक्र	17/10/2112	सूर्य	26/11/2128	चंद्र	30/04/2141
केतु	14/05/2080	शुक्र	08/05/2097	सूर्य	29/09/2113	चंद्र	27/04/2130	मंगल	26/09/2141
शुक्र	15/05/2083	सूर्य	24/02/2098	चंद्र	30/04/2115	मंगल	24/04/2131	राहु	15/10/2142
सूर्य	07/04/2084	चंद्र	26/06/2099	मंगल	08/06/2116	राहु	11/11/2133	गुरु	20/09/2143
चंद्र	07/10/2085	मंगल	02/06/2100	राहु	15/04/2119	गुरु	17/02/2136	शनि	29/10/2144
मंगल	26/10/2086	राहु	27/10/2102	गुरु	26/10/2121	शनि	27/10/2138	बुध	25/08/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।